Government of India is about 340 calorics.

शैक्षिक विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत अल्पसंयक समुदाय के छात्रों को उपलब्ध सुविधायें

1971. **श्री संघ प्रिय गौतम** : क्या कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क)शैक्षिक विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों को क्या-क्या सुविधायें दी जा रही हैं; और

(ख)इस कार्यक्रम के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश को कितनी धनराशि की गई हैं?

कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री असलम शेर खां) : कल्याण अल्पसंख्यकों के लक्षित समूह के लिए भी आर्थिक मानदंडों के आधार पर परीक्षा पूर्व कोंचिंग की योजना कार्यान्वित कर रहा हैं। इस योजना के अंतर्गत प्रशिक्षणार्थियों को अनुदान प्राप्त करने वाले संस्थानों द्वारा नि:शुल्क वृत्तिका संबंधी प्रशिक्षण दिया जाता हैं।

कल्याण मंत्रालय द्वारा दिए गए कॉरपस निधि के रूप में 30 करोड़ रूपए के एक मुश्त अनुदान के साथ सोसायटी अधिनियम के अंतर्गत स्थापित मौलान आजाद शिक्षा प्रतिष्ठान समाज के शाक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों, अल्पसंख्यकों तथा विशेष तौर पर अन्य पिछड़े वर्गों में शैक्षिक कार्यकलापों को बढ़ावा देता हैं। यह प्रतिष्ठान नौकरियां तथा अन्य संबंधित कार्यकलापों के लिए आवासीय स्कूलों की स्थापना के लिए सहायता प्रदान करता हैं।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय शिक्षा संबंधी राष्ट्रीय नीति के अनुसरण अल्पसंख्यक बहुत जिलों में अल्पसंख्यकों के शैक्षिक विकास के लिए तीन अलग योजनाओं का कार्यान्वयन करता जा रहा हैं। ये योजनाएं क्षेत्र गहन कार्यक्रम मदरसा शिक्षा तथा समुदाय पौलीटेक्रीक का आधुनिकीकरण हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा कालेजों के माध्यम से अल्पसंख्यक उम्मीदवारों के लिए कोचिंग योजना को कार्यान्वित कर रहा हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की कोचिंग योजना के अन्तर्गत उम्मीदवारों को नि:शुल्क वृत्तिका संबंधी कोचिंग प्रदान की जाती हैं।

(ख)मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा क्षेत्र गहन कार्यक्रम के अंतर्गत 1994-95 के दौरान उत्तर प्रदेश राज्य को 83.51 लाख रूपए की राशि निर्मुक्त की गई थी।

दुधारू पशुओं की दूध क्षमता

1977. **श्री ईश दत्त यादव** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कूपा करेंगे कि:

(क)वर्ष 1990-91 और 1994-95 के दौरान प्रत्येक दुधारू प्रत्येक पशु की दूध क्षमता कितनी थी;

(ख)वर्ष 1996-97 के बाद दूध क्षमता में वृद्धि करने हेतु निर्धारित लक्ष्य क्या हैं;

(ग)क्या देश में दूध उत्पादन के स्तर में वृद्धि करने हेतु दुधारू पशुओं की नस्ल में सुधार करने के लिए अनेक अनुसंधान किए गए हैं;

(घ)यदि हां, तो वर्ष 1990-91 से अब तक इस संबंध में क्या-क्या अनुसंधान कार्य किए गए हैं और इनके परिणामस्वरूप पशुओं की दूध देने की क्षमता में कितने प्रतिशत वृद्धि होने की संभावना हैं;

(ड.)क्या इन अनुसंधनों का उपयोग ग्रामीणों के लिए सुलभ बनाने हेतु कोई व्यवस्था की गई हैं;

(च)यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं; और

(छ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम) : (क) से (छ) 1990-91 तथा 1993-94 के दौरान प्रति पशु प्रति दिन औसत दूध की पैदावार नीचे दी गई हैं। 1994-95 के नमूना सर्वेक्षण के परिणामों को अभी अन्तिम रूप नहीं दिया गया हैं:-

प्रति पशु प्रति दिन औसत दूध की पैदावार (कि0ग्रा0)		प्रतिशत वृद्धि
		1990-90
गाय	1.91	2.43 (अनन्तिम
भैंस	3.41	3.78 (अनन्तिम

1996-97 के बाद प्रति दुधारू पशु के औसत दुग्ध पैदावार की दर का कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया हैं।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पास गोपशु